



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 26 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर एक डिप्रेशन (कम दबाव का क्षेत्र) बना हुआ है। इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों में और तेज़ होकर 'डीप डिप्रेशन' में बदलने की बहुत संभावना है। साथ ही, इसके 27 जुलाई 2026 की पूर्वाह्न/दोपहर के आसपास पारादीप और सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों को पार करने की उम्मीद है। इसके असर से, 26 और 27 जुलाई को ओडिशा में और 27 जुलाई को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है; वहीं 26 और 27 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल (गैंगेटिक वेस्ट बंगाल) में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।

आज, 26 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ ओडिशा (जगतसिंहपुर 33 सेमी) में भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश (≥ 30 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ छत्तीसगढ़, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र और तटीय कर्नाटक में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और असम में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ सक्रिय है और निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में स्थित है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल तट पर कल बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 26 जुलाई 2026 को सुबह 05:30 बजे IST पर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर एक सुस्पष्ट दबाव क्षेत्र के रूप में मौजूद था। यह एक अवदाब में बदल गया और आज, 26 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर उसी क्षेत्र में केंद्रित था - लगभग 20.6°N अक्षांश और 88.4°E देशांतर पर, जो सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) से 130 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व, दीघा (पश्चिम बंगाल) से 140 किमी दक्षिण पूर्व, चांदबाली (ओडिशा) से 170 किमी पूर्व और बालासोर (ओडिशा) से 180 किमी पूर्व-दक्षिण पूर्व में है। इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने, अगले 24 घंटों के दौरान और अधिक तीव्र होकर गहन अवदाब बनने और 27 जुलाई 2026 की पूर्वाह्न/दोपहर के आसपास पारादीप और सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल तटों को पार करने की बहुत संभावना है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आसपास के इलाकों में कल बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 26 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर पश्चिमी राजस्थान और आसपास के इलाकों में मौजूद था।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान और आसपास के इलाकों में कम दबाव के क्षेत्र और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तथा उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों के आसपास के इलाकों में 'डिप्रेशन' से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) के साथ एक पूर्व-पश्चिम 'शीयर ज़ोन' (हवा की गति/दिशा में बदलाव का क्षेत्र) निचले और मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर मध्य भारत में लगभग 23°N अक्षांश के साथ चल रहा है।
- ❖ मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक लेवल में एक 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) एक ट्रफ के रूप में लगभग 62°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर में चल रहा है।

- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर असम के मध्य भागों के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण (अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन) मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 26 जुलाई से 1 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 से 31 जुलाई के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 27 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 29 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 26-27 जुलाई और 1 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 26-27 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 26 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 26 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पश्चिमी राजस्थान में; और 26-28 जुलाई के बीच पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 26 जुलाई से 1 अगस्त के बीच उत्तराखंड में; 26 जुलाई और 29-30 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में; और 26-27 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई और 31 जुलाई-1 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 26-27 जुलाई और 1 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में; 26 जुलाई और 30 जुलाई-1 अगस्त को उत्तराखंड में; 27 जुलाई और 30-31 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 27 जुलाई और 31 जुलाई-1 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 26 जुलाई और 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 28 जुलाई और 1 अगस्त को; साथ ही जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 29-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; हिमाचल प्रदेश में 28-31 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 27-29 जुलाई के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पंजाब में 28-29 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28-30 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27-30 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 29-31 जुलाई के दौरान।

मध्य भारत:

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 26-28 जुलाई और 1 अगस्त को; विदर्भ में 26 जुलाई और 1 अगस्त को कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29-31 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; विदर्भ में 27-31 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 26-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में 31 जुलाई को; छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 26-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 28-29 जुलाई और 1 अगस्त को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 27-28 जुलाई और 31 जुलाई को; विदर्भ में 26-27 जुलाई और 30 जुलाई को; छत्तीसगढ़ में 27 जुलाई और 29 जुलाई-1 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है; साथ ही पश्चिमी मध्य प्रदेश में 30-31 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

है। पूर्वी मध्य प्रदेश में 29-30 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 28-29 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ में 26 जुलाई और 28 जुलाई को।

- ❖ छत्तीसगढ़ में 27 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 26 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान; झारखंड में 27-29 जुलाई और 1 अगस्त को; बिहार में 30 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 26 जुलाई को; झारखंड में 26 जुलाई और 30-31 जुलाई के दौरान; बिहार में 26-29 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 26 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 26-28 जुलाई के दौरान; ओडिशा में 26 जुलाई को कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; झारखंड में 26-30 जुलाई के दौरान; बिहार में 27-30 जुलाई के दौरान; ओडिशा में 28-30 जुलाई के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच बिहार और सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; 28 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 26 से 28 जुलाई के बीच झारखंड में; साथ ही 26-27 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 26 और 27 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 28 जुलाई को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश और 29 जुलाई से 1 अगस्त के बीच भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 26-28 जुलाई और 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 1 अगस्त को कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 29-30 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26-31 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 26-28 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 27-31 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 26-28 जुलाई और 30-31 जुलाई के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26-28 जुलाई और 31 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, असम और मेघालय में 29 जुलाई को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; मध्य महाराष्ट्र और सौराष्ट्र और कच्छ में 26 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र में 26 जुलाई और 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र और सौराष्ट्र और कच्छ में 27 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; मराठवाड़ा में 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 27-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ मध्य महाराष्ट्र में 28-30 जुलाई के दौरान; मराठवाड़ा में 26-29 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) की संभावना है। □ 26 से 29 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28 से 31 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में; 26-27 जुलाई और 30 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में; 26 जुलाई और 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, 26-27 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में; और 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; और 26 जुलाई को लक्षद्वीप में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश की संभावना है।
- ❖ 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में; और 27 जुलाई-1 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ 26-27 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 28-30 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 26-30 जुलाई के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। साथ ही, 26-27 जुलाई के दौरान केरल और माहे में; और 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 26 जुलाई-1 अगस्त के दौरान केरल और माहे में; 26-28 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; और 26-29 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। □ 26-27 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तेज हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 26 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में जमीन के पास तेज हवाएं चलने की संभावना है।

गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 26-28 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बने रहने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर बने अवदाब के कारण समुद्र की स्थिति, मछुआरों और हवाओं के बारे में चेतावनी।

हवाओं की चेतावनी:

- ❖ 26 तारीख की शाम तक उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर 45-55 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं (झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। इसके बाद, हवा की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ेगी और 27 जुलाई की सुबह से 28 जुलाई की सुबह तक 55-65 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी/घंटा तक) हो जाएगी, और फिर धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ 26 से 28 जुलाई के दौरान मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ 27 जुलाई तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा, पश्चिम बंगाल व उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। 28 जुलाई की सुबह से इसी क्षेत्र में स्थिति में सुधार होने और समुद्र के 'खराब' (rough) स्तर पर आने की संभावना है, जिसके बाद धीरे-धीरे और सुधार होगा।
- ❖ 28 जुलाई तक मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति खराब रहने और उसके बाद धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 जुलाई तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा, पश्चिम बंगाल व उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास न जाएं।
- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 28 जुलाई तक मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में न जाएं।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

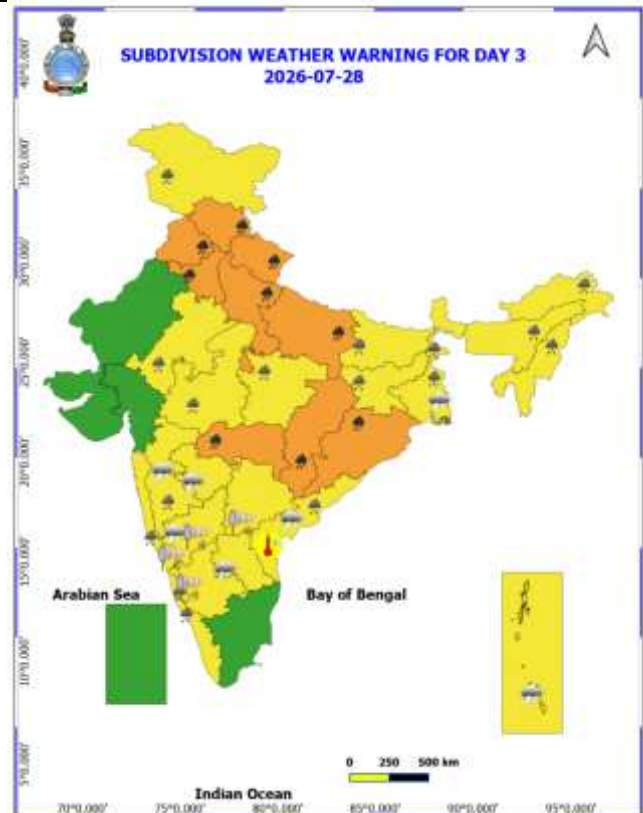
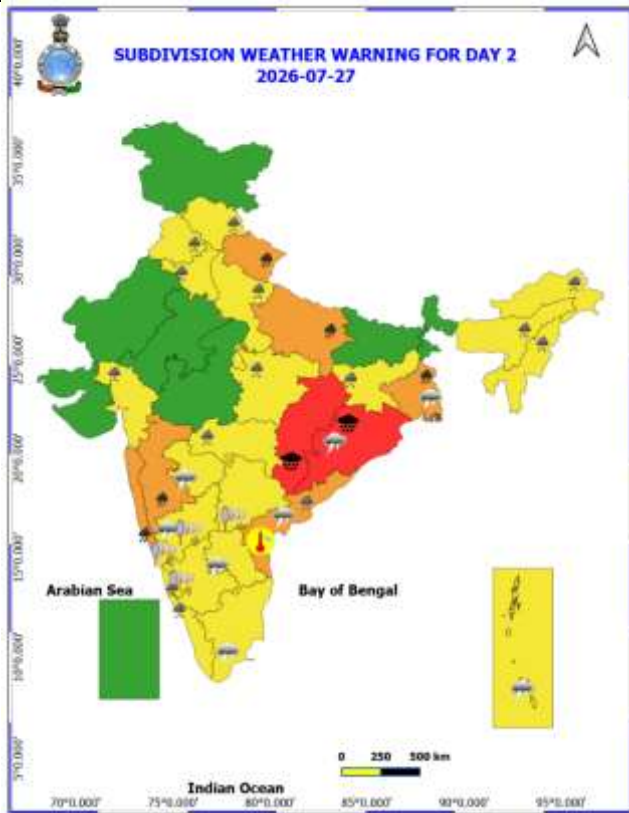
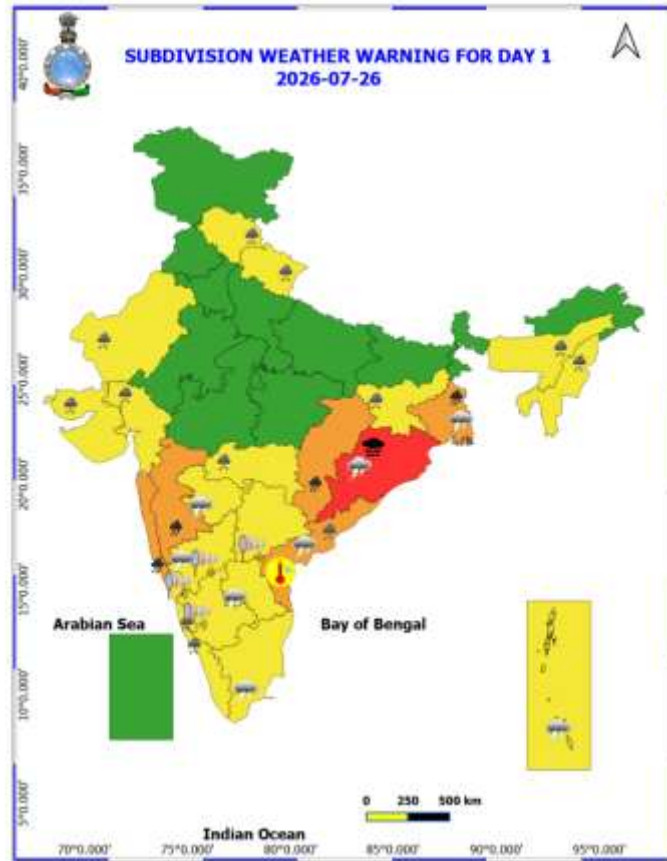
अवदाब से जुड़े राष्ट्रीय बुलेटिन के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/national_bulletin.php

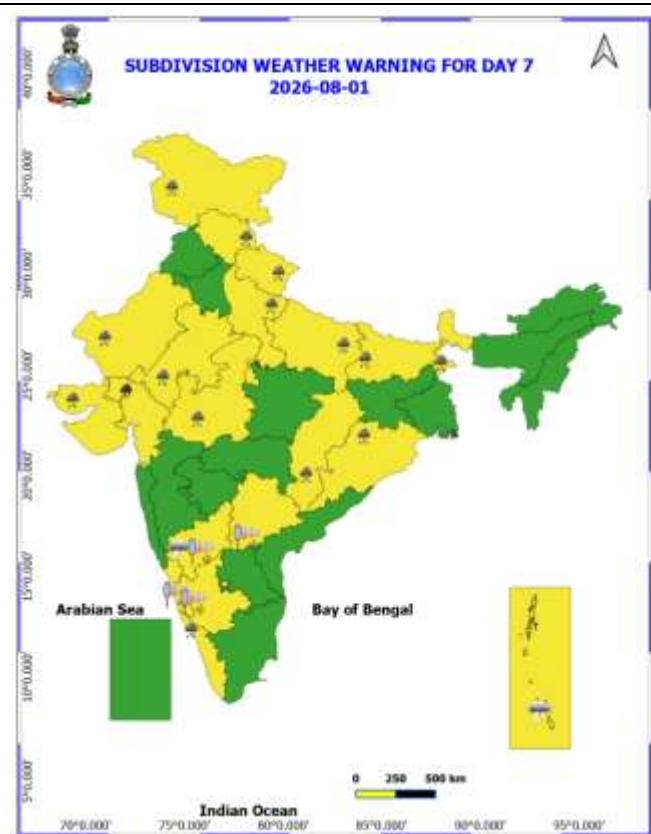
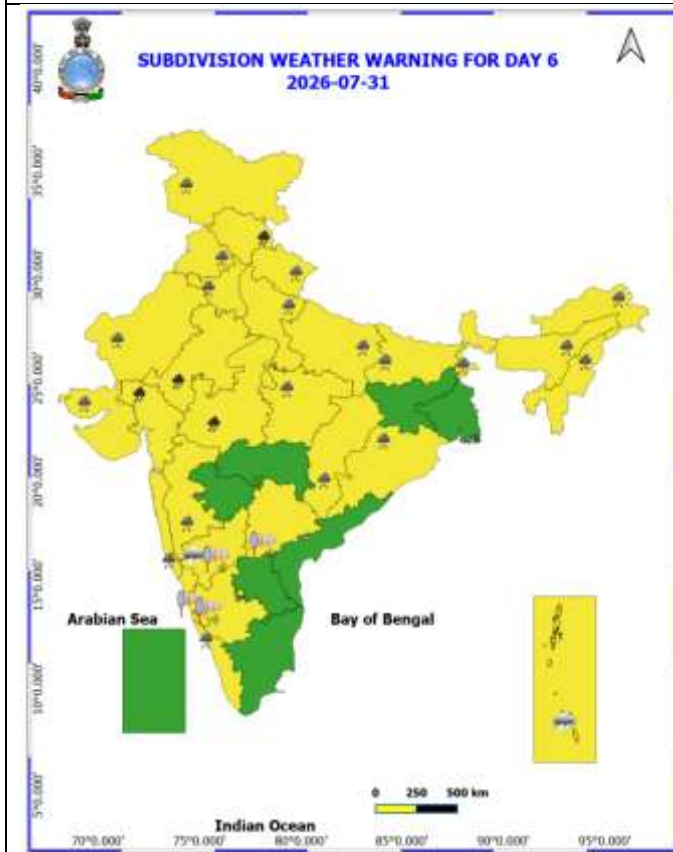
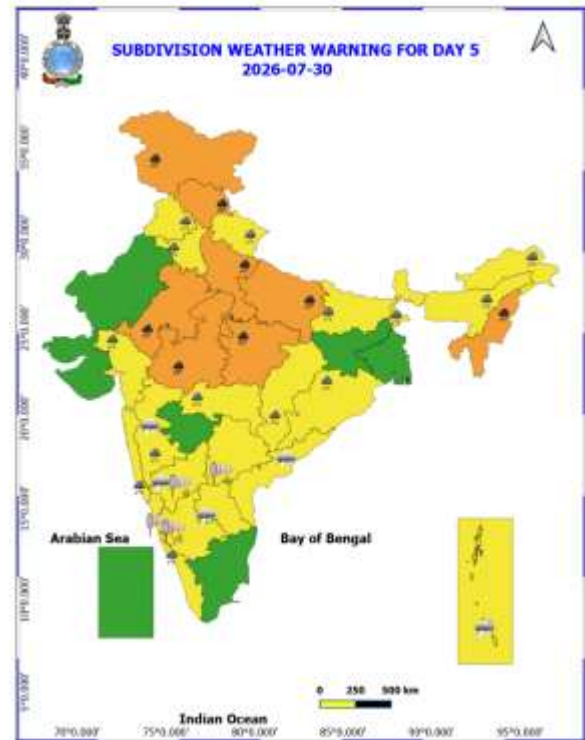
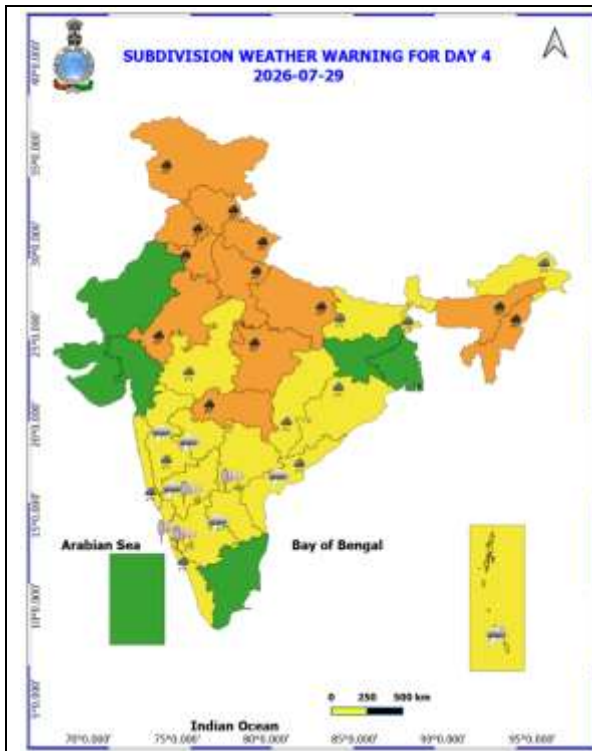
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ ओडिशा: जगतसिंहपुर 33;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तमिनी_मुलशी (पुणे) 17;
- ❖ कोंकण: कर्जत (रायगढ़) 15;
- ❖ छत्तीसगढ़: महासमुंद 15;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: कपराडा (जिला वलसाड) 12;
- ❖ तटीय कर्नाटक: मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़) और मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 12 प्रत्येक;
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: सेडवा (बाड़मेर) 10;
- ❖ पूर्वी राजस्थान: माउंट आबू (सिरोही) 10;
- ❖ असम: बोरपाथर 10;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: सुंदरनगर 7;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: अलीगंज (एटा) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	26- Jul	27- Jul	28- Jul	29- Jul	30- Jul	31- Jul	1- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	WFS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	WFS	WFS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	FWS	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	WFS	WFS	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WFS	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WFS
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	FWS	WFS	WFS	WFS	FWS	SCT
27	CHHATTISGARH	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
36	LAKSHADWEEP	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WFS	WFS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

26 जुलाई से 29 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $34-36^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $24-28^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 40 किमी/घंटा तक पहुँच गई; हवा पूरब दिशा से चल रही थी। आज सुबह के समय इस इलाके में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

26.07.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से रात के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी/बिजली कड़कने और 20-30 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $35-37^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से दक्षिण दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

27.07.2026: आसमान में आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है और हवा की गति 20-30 किमी/घंटा रह सकती है। रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

28.07.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच ज्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम/रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.0°C से -5.0°C) रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

29.07.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच ज्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम/रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.0°C से -5.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी।

ओडिशा, छत्तीसगढ़ और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में बहुत भारी/अत्यधिक भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक (conductive) पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें और खेतों की नालियों को साफ रखें। जब तक खेत की स्थिति ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।

- गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें। धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ को मजबूत करें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक खेत के सभी काम टाल दें।
- छत्तीसगढ़ में, फसलों के खेतों, नर्सरी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक खेत के सभी काम टाल दें।
- कोंकण और गोवा में, धान की रोपाई वाली फसल, हल्दी, मूंगफली, रागी (फिंगर मिलेट), प्रोसो मिलेट, सब्जियों के खेतों और बागों में लगातार जल निकासी बनाए रखें। लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए निचले इलाकों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें।
- मध्य महाराष्ट्र में, घाट वाले इलाकों में धान की नर्सरी, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ में, धान, कपास, बाजरा, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मक्का, कपास, उड़द, मूंग और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें।
- केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों में लगातार जल निकासी बनाए रखें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- तटीय कर्नाटक में, खेतों की जल निकासी वाली नालियों को साफ रखें और धान के खेतों, बागों और सब्जियों के खेतों में लगातार जल निकासी बनाए रखें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- विदर्भ में, सोयाबीन, कपास, अरहर, मक्का और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें।
- हिमाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब व नाशपाती के बागों में अतिरिक्त बारिश का पानी जल्दी निकालने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें। जहां खेत की स्थिति अनुमति दे, वहां पके हुए फलों की कटाई करें।
- उत्तराखंड में, धान, उड़द, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए प्रभावी जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। जहां खेत की स्थिति अनुमति दे, वहां पके हुए टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें, और जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक बुवाई टाल दें। □ झारखंड में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, मक्का, सोयाबीन और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों, बागों और निचले इलाकों में पानी की सही निकासी बनाए रखें। जहाँ खेत की स्थिति अनुमति दे, वहाँ तैयार फसलों की कटाई करें।
- असम में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए खेतों में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की लगातार निकासी सुनिश्चित करें। तेज हवाओं से बचाने के लिए केले, सब्जियों और अन्य नाजुक फसलों को सहारा दें।
- मेघालय में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें। नर्सरी की मेड़ों को मजबूत करें और पानी की निकासी वाली नालियों में कोई रुकावट न रहने दें।
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- राजस्थान में, अस्थायी रूप से पानी जमा होने से बचाने के लिए निचले इलाकों में स्थित बाजरा, मक्का, कपास और दलहन के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालें।
- पंजाब और हरियाणा में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर और मूंगफली के खेतों और फलों के बागों में पानी की प्रभावी निकासी बनाए रखें।

- कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मजबूती से बाँधें और ढककर रखें।
- तेज़ हवाओं के कारण फसल के गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे या फल देने वाले पौधों को स्टैकिंग (डंडे का सहारा) या अन्य सहारा दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

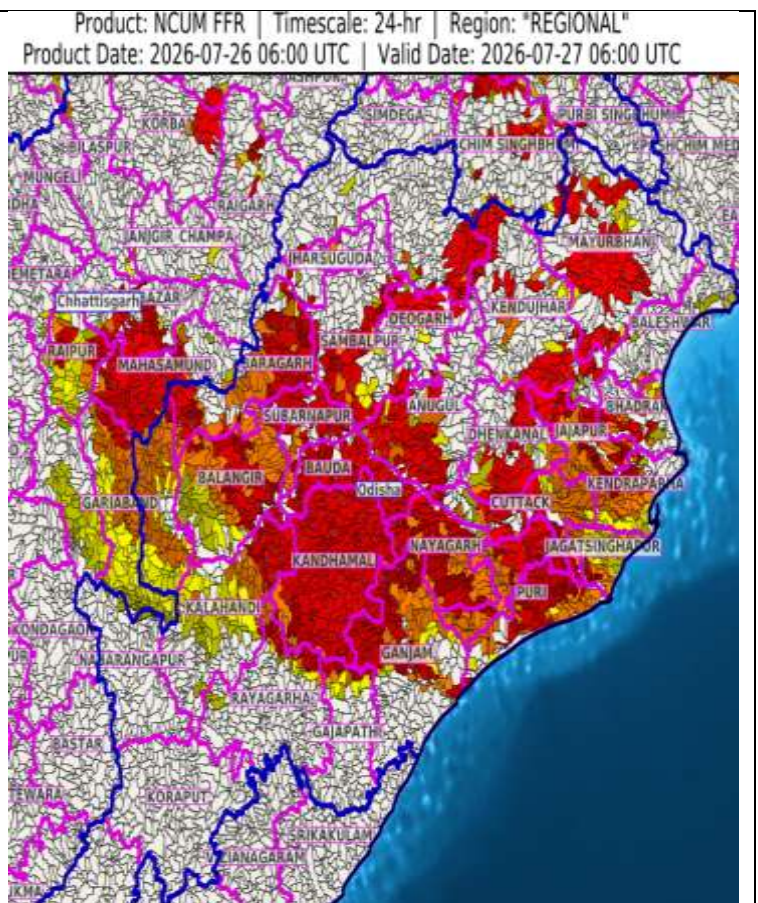
आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

27-07-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

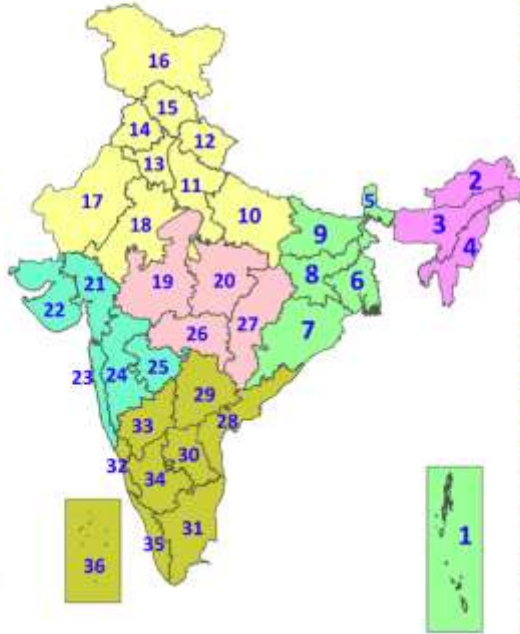
छत्तीसगढ़ - बलौदा बाजार, धमतरी, गरियाबंद, कोरबा, महासमुंद, रायगढ़, रायपुर और सरगुजा जिले।
ओडिशा - अनुगुल, बलांगीर, बालेश्वर, बारागढ़, बौडा, भद्रक, कटक, देवगढ़, ढेंकनाल, गजपति, गंजाम, जगतसिंहपुर, जाजापुर, झारसुगुड़ा, कालाहांडी, कंधमाल, केंद्रापारा, केंदुझार, खोरधा, मयूरभंज, नयागढ़, नुआपारा, पुरी, रायगढ़, संबलपुर, सुबरनापुर और सुंदरगढ़ जिले।

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ \text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ \text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ \text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ \text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ \text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ \text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ \text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ \text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ \text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ \text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ \text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ \text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1 \text{ km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ \text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)